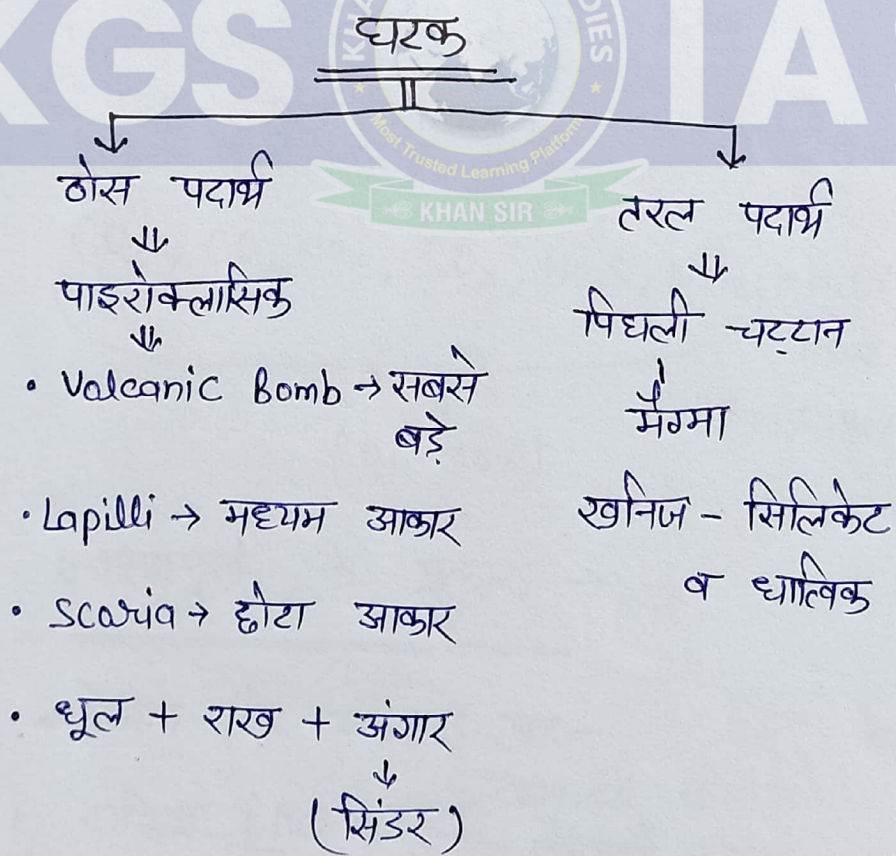


- ज्वालामुखी -

पृथ्वी के तल पर कुछ ऐसे स्थानों
मुख्यतः पर्वतों में मुख के आकार
के बड़े-बड़े गड्ढे जिनमें से आग
की लपेटें, लावा, गली धातुएँ आदि
धुएँ सीधे निकलते हैं, जैसे -
ज्वालामुखी पर्वत।



तरल $\rightarrow$ लावा $\rightarrow$ सिलिका $\uparrow$	सिलिका $\downarrow$
$\Downarrow$	$\Downarrow$
• अम्लीय लावा	• क्षारीय लावा
• ताप $\downarrow$	• ताप $\uparrow$
• तरलता $\downarrow$	• तरलता $\uparrow$
स्थानांतरण कम सहज	

गैसीय $\rightarrow$ ज्वालामुखी पृथ्वी की
 Degassing (गैसीय उत्सर्जन)
 का प्रमुख माध्यम।

CO_2 , CO , NO_x , SO_x , H_2S , NH_3 , $\text{H}_2\text{O(g)}$
वाष्प
(१०-३०%)
(७०%-८०%)

ज्वालामुखी के प्रकार $\rightarrow$

सक्रियता के आधार पर -

१. सक्रिय (Active) $\begin{cases} \text{अपसारी सीमांत} \\ \text{अभिसारी सीमांत} \end{cases}$

२. सुशुप्त (Dormant) $\begin{cases} \text{विमुचियस} \\ \text{क्राकाटोया} \end{cases}$

3. मृत (Extinct) $\begin{cases} \text{किलिमंजारो} \\ \text{पोपा} \end{cases}$

उदगार के आधार पर

केन्द्रीय उद्योग

→

1. टवाई प्रकार

१. स्ट्रॉम्बोली

3. वैल्कनियन $\rightarrow$ सिलिका $\uparrow\uparrow$

4. पिलायन

↓

सबसे विनाशकारी, विसुविधस

दरारी उदगार

→ सागर - कटक

→ स्थल-भ्रंश

घाटी

(अफ्रीका)

द्वितीय प्रकार

• बेसाल्ट, तरल

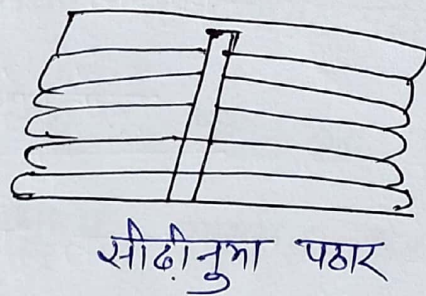
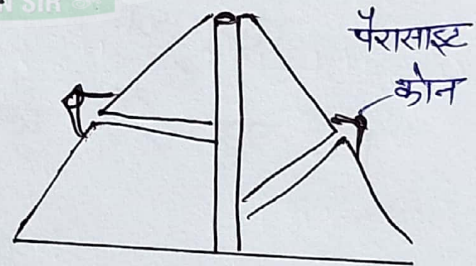
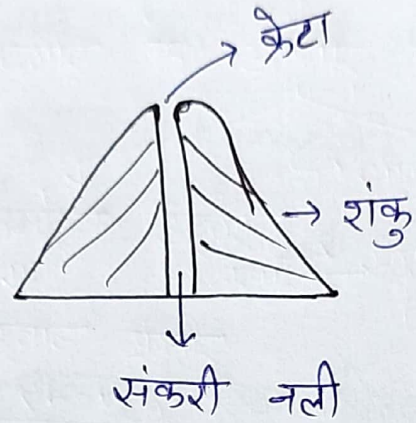
• कम आवाज , सिलिका ↓

सुद्रोम्बोली

4

• कम तरल

- सिलिका ↑
- विध्वंस कम



ज्वालामुखी से संबंधित विशेष प्रक्रिया →

- गीजर (Geyser)
- गर्म फव्वारा (Hot Spring)
- धुंवारा (Fumarole)
- मिट्टी ज्वालामुखी (Mud Volcano)

ज्वालामुखी का विश्व वितरण →

वितरण एक निश्चित क्रम में, अधिकतर सुनिश्चित पैटर्नों में।

लगभग दो तिहाई ज्वालामुखी प्रशांत महासागर को घेरे हुए हैं।

- i) पारि - प्रशांत मेखला
- ii) मध्य महाद्वीपीय पेट्री
- iii) अफ्रीका का ग्रंथ घाटी क्षेत्र
- iv) मध्य सागरीय कटक

v) अन्तरा प्लेट ज्वालामुखी

श्रूकम्प

प्रत्यास्थ पुनश्चलन सिद्धांत →

—x—x—

H.F. Reid.

KGS



IAS